सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती
महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : 05/2014
दिनांक : 06.06.2014

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : CZIEA की कार्यकारिणी समिति का आह्वान –

- **सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों की हिफाजत के लिये अभियान जारी रखो।**
- **वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने हेतु आन्दोलन को मजबूत करो।**
- **नई परिस्थितियों से उपजी चुनौतियों का मुकाबला करने संगठन की धार को सुदृढ़ करो।**

CZIEA कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 1 एवं 2 जून 2014 को रायपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती ने की। इस बैठक में CZIEA के विगत सम्मेलन के बाद से लेकर अब तक की राजनैतिक-आर्थिक-सांगठनिक हालातों की समीक्षा की गई। बैठक में CZIEA सम्मेलन के निर्णयों के इस मध्य क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई।

बैठक में सर्वप्रथम SZIEF व सीटू के पूर्व उपाध्यक्ष, माकपा के पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य का. आर. उमानाथ, सीटू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष का. के.एल. बजाज, साहित्यकार श्री राजेन्द्र यादव, पश्चिम बंगाल में चुनाव पूर्व व उसके बाद जारी तृणमूली हिंसा में मारे गये वाम कार्यकर्ता तथा गोरखपुर-अक्षरधाम ट्रेन हादसे में मारे गये दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस बैठक में AIIEA सचिव मंडल की 25-26 मई 2014 को हैदराबाद में सम्पन्न बैठक में लिये गये निर्णयों पर भी चर्चा के बाद प्रमुख रूप से निम्न निर्णय लिये गये –

सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा उद्योग की हिफाजत में जारी रखो अभियान :

कार्यकारिणी समिति ने यह नोट किया कि CZIEA के अष्टम महाधिवेशन व AIIEA सम्मेलन के निर्णय के अनुरूप देश भर में राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में चले अभियान के तहत मध्य क्षेत्र में भी इस दौरान हमारी विभिन्न मंडलीय इकाईयों ने लोकसभा उम्मीदवारों को ज्ञापन सौंपकर, बीमा कानून संशोधन विधेयक 2008 व बीमा क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश की सीमा को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत किये जाने के खिलाफ समर्थन की अपील की। इस प्रक्रिया में मध्य क्षेत्र में भोपाल मंडल में 20, रायपुर मंडल में 12, ग्वालियर मंडल में 9, जबलपुर मंडल में 4, सतना मंडल में 7, बिलासपुर मंडल में 9, शहडोल मंडल में 3 व इंदौर मंडल में 3 कुल 67 प्रमुख दलों के उम्मीदवारों को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यकारिणी समिति का यह स्पष्ट मत था कि AIIEA के नेतृत्व में इस मामले में चलाये गये व्यापक अभियानों का ही नतीजा है कि 1994 के बाद से आई एक बाद एक सरकारों के तमाम कोशिशों के बावजूद हम राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में अब तक सफल हो पाये हैं तथा विदेशी पूंजी निवेश की सीमा को 26 से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने के प्रयासों को रोके रखे हैं। कार्यकारिणी समिति का यह भी

सुस्पष्ट अभिमत था कि 16वीं लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा के पूर्ण बहुमत के साथ बनी नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के गठन के बाद रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में 100 प्रतिशत तक FDI की शुरूआती संकेतों की रौशनी में राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग पर आक्रामक हमले तीखे होने की पूर्ण संभावना साफ दिख रही है, तब बीमा कर्मियों को आगामी दिनों में उसी मुखरता के साथ इन अभियानों को जारी रखना होगा। कार्यकारिणी समिति ने बीमा कानून संशोधन विधेयक पारित होने की दशा में उसके तुरन्त बाद AIIEA के निर्णयों के अनुरूप एकदिवसीय हड़ताल को भी शानदार ढंग से कामयाब बनाने तैयार रहने का भी आह्वान किया।

मोबिलिटी के बिना वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने हेतु आन्दोलन को मजबूत करो :

कार्यकारिणी समिति ने इस संबंध में AIIEA सचिव मंडल के निर्णय के अनुरूप जून 2014 में आन्दोलनात्मक कार्यवाही के भावी आह्वान की रौशनी में इन कार्यवाहियों को मध्यक्षेत्र में सफल बनाने व्यापकतम एकता का निर्माण करने जुट जाने का आह्वान किया। कार्यकारिणी समिति का यह दृढ़ मत था कि ऐसे समय जब देश की अर्थव्यवस्था गहरे संकट के दौर में है, विकास दर में गिरावट है तब, राष्ट्रीयकृत LIC व GIC का प्रदर्शन अभूतपूर्व है। LIC ने वर्ष 2013-2014 में नव प्रीमियम आय में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जबकि समूची बीमा उद्योग में यह वृद्धि दर 11.5 प्रतिशत है। यही नहीं इस अवधि में निजी बीमा कंपनी ने नकारात्मक वृद्धि दर -4 प्रतिशत दर्ज की है। LIC ने प्रीमियम आय व पालिसी संख्या दोनों ही मानकों में अपने बाजार हिस्से में भी वृद्धि दर्ज की है। इसी तरह राष्ट्रीयकृत आम बीमा उद्योग ने भी 38,605 करोड़ रू. सकल घरेलू प्रीमियम आय (GDPI) एकत्रित कर 56 प्रतिशत बाजार हिस्से पर नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन बेहतरीन प्रदर्शनों के साझेदार बीमा कर्मी हर तरह से बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण के हकदार हैं। किन्तु कार्यकारिणी समिति की यह सुस्पष्ट समझ है कि अब तक के हमारे अनुभवों से यह साफ है कि हमारी मांगों के पीछे कितनी ही तार्किकता व तथ्यपरकता क्यों न हो? केवल तर्कों से फायदे नहीं मिलते वह ट्रेड यूनियनों और संघर्षों के बल ही प्राप्त होते हैं। कार्यकारिणी समिति ने प्रबंधन के मोबिलिटी के प्रस्तावों का भी कड़ा विरोध करते हुये AIIEA की इस समझ का पूर्ण समर्थन किया कि वेतन पुनर्निर्धारण के साथ मोबिलिटी या अन्य कोई भी शर्त कतई स्वीकारयोग्य नहीं है। लेकिन कार्यकारिणी समिति ने यह भी नोट किया कि पूर्ववर्ती सरकार की नवउदारवादी नीति की पुरजोर समर्थक वर्तमान नवीन सरकार के गठन से हमारे सामने चुनौती बढ़ी है। इस रौशनी में हमें कर्मचारियों के व्यापकतम हिस्से को वेतन पुनर्निर्धारण के संघर्ष में एकजुट करने तथा कठिन संघर्षों में पूरी ताकत से जुटना होगा।

नई परिस्थितियों से उपजी चुनौतियों से मुकाबला करने संगठन की धार को सुदृढ़ करो :

कार्यकारिणी समिति ने यह नोट किया कि 16वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा के पूर्ण बहुमत के साथ बनी नई सरकार से मेहनतकशों के समक्ष चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का उदय हुआ है। राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग के ऊपर भी आक्रामक हमले की संभावना बलवती हुई हैं। चुनाव के दौरान कार्पोरेट जगत ने जिस ब्रांड मोदी पर करोड़ों-अरबों रू. का निवेश किया वे अब उसकी भरपाई के लिये पहल करेंगे। इससे नवउदारवादी नीतियों की रफ्तार तेज कर सार्वजनिक क्षेत्र पर तीखे हमले और मेहनतकश जनता के दैनंदिन जीवन पर आक्रमण बढ़ेंगे। डीजल के दामों में हुई बढ़ोतरी, रक्षा क्षेत्र में 100 प्रतिशत FDI की मंजूरी के संकेत मल्टीब्रांड में भी पूर्ववर्ती सरकार के FDI नीति को जारी रखने के संकेतों से भी यही रूख सामने आ रहा है कि वास्तव में जनता जिस अच्छे दिन की उम्मीद लगाये बैठी है वह उनकी नहीं कार्पोरेटों के लिये अच्छे दिन हैं।

कार्यकारिणी समिति का यह दृढ़ मत था कि हमारे लिये प्रत्येक घटना को देखने का नजरिया मजदूर वर्ग का होना चाहिये। अगर किसी घटना से हमारे दुश्मन, पूंजीपति उत्साहित व खुश हैं तो उसी घटना से मजदूर वर्ग भी खुश नहीं हो सकता। क्योंकि वर्गीय रूप से दोनों के हित समान नहीं है। कार्यकारिणी समिति ने यह भी राय कायम की है कि, हम परिस्थितियों का निर्माण नहीं करते बल्कि उपलब्ध परिस्थितियों से मुकाबला करने, हम अपने संघर्ष की दिशा तय करते हैं। आज की स्थिति में मेहनतकश जमात के सामने जो नई चुनौतियां उभरी हैं हमें उनका मुकाबला करने और सुदढ़ संगठन का निर्माण करना होगा। कार्यकारिणी समिति ने सम्पूर्ण विश्वास के साथ यह संकल्प किया कि, खतरे गंभीर है लेकिन AIIEA के नेतृत्व में बीमा कर्मियों ने अब तक कठिन से कठिनतम, गंभीर से गंभीरतम व विपरीत से विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला करते हुये आज तक का सफर तय किया है। वह चाहे आपातकाल के काले दिन हो या पूर्ववर्ती एनडीए, यूपीए सरकार, इनमें से हरेक का मुकाबला करके ही हम अपने उद्योग की हिफाजत व आर्थिक हितों को हासिल करते रहे हैं। इसलिये, आगामी चुनौती का भी हम सम्पूर्ण साहस व एकता के साथ मुकाबला करेंगे।

AIIEA को मान्यता :

कार्यकारिणी समिति ने AIIEA की मान्यता के सवाल पर मध्यक्षेत्र में कर्मचारियों के प्रचंड बहुमत द्वारा हस्ताक्षरित याचिका सौंपने के प्रयासों की भी सराहना की। मध्यक्षेत्र में 84.39 प्रतिशत कर्मचारियों ने AIIEA की मान्यता हेतु याचिका में हस्ताक्षर किये।

कार्यकारिणी समिति ने इस मध्य AIIEA की सोच के अनुरूप राजनैतिक हस्तक्षेप के रूप में 34 स्थानों पर मध्यक्षेत्र में आयोजित सेमीनारों, रायपुर मंडल में 1 लाख पर्चों के वितरण अभियान के लिये भी इकाईयों को बधाई दी। कार्यकारिणी समिति ने AIIEA सम्मेलन के लिये अर्थसंग्रह अभियान में RDIEU रायपुर को प्रथम व BDIEA बिलासपुर को द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिये बधाई दी। कार्यकारिणी समिति ने आन्दोलन की खबर की ग्राहक संख्या में वृद्धि के मामले में सतत् प्रयास जारी रखने के आह्वान के साथ वर्ष 2014 के आगामी नवीनीकरण से प्रति सदस्य 50/- एकत्र करने के निर्णय को क्रियान्वित किये जाने की अपील की। कार्यकारिणी समिति ने इंश्योरेन्स वर्कर की ग्राहक संख्या में वृद्धि का प्रयास जारी रखने के आह्वान के साथ इस संबंध में इंदौर मंडल में हुये प्रयास की सराहना की। कार्यकारिणी समिति ने भारत के लिये लोग मंच के मामले में पूर्व के निर्णयों को क्रियान्वित करने के आह्वान के साथ ही विचारधारात्मक व संख्यात्मक दोनों ही मायनों में संगठन को प्रत्येक स्तर पर चुस्त दुरूस्त बनाने सतत् रूप से जुटने की अपील की।

का. व्ही. रमेश का सम्बोधन :

CZIEA कार्यकारिणी समिति की बैठक को 2 जून 2014 को AIIEA के महासचिव का. व्ही. रमेश ने संबोधित किया। का. रमेश ने अपने संबोधन में कहा कि हॉल ही में हुये लोकसभा चुनाव में कार्पोरेट जगत ने मोदी ब्रांड के लिये करोड़ों रू. का व्यय किया अब चुनाव के बाद अच्छे दिन किसी के आयेंगे तो उन्हीं के ही आयेंगे। हमारे लिये तो अच्छे दिन के नाम पर बुरे दिन ही आने वाले हैं। बीमा कर्मियों को इनसे मुकाबले की तैयारी करनी होगी। अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी के प्रतिनिधि अब तक मनमोहन सिंह थे अब मोदी बन गये हैं। हमें समझना होगा कि लोकतंत्र और उदारीकरण साथ-साथ नहीं चल सकता अर्थात् अब उदारीकरण की रफ्तार को तेज करने लोकतंत्र पर भी हमला होगा। श्रम कामून को लचीला बनाने की मांग इसी का हिस्सा है। उन्होंने बीमा कर्मचारियों से मेहनतकश के लिहाज से प्रतिकूल राजनैतिक स्थिति में बीमा क्षेत्र में FDI सीमा में वृद्धि के खिलाफ, वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने, पेंशन का एक और विकल्प हासिल करने, मोबिलिटी को पराजित कर नई भर्ती प्रारंभ कराने व

अपने अन्य लंबित मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करने संगठन को और मजबूत बनाकर कठिन संघर्ष के लिये तैयार होना होगा। उन्होंने सभी मंडलीय इकाईयों से संगठन को और सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि AIIEA भावी चुनौती का मुकाबला करने उद्योग के अंदर साझा मुद्दों पर सभी यूनियनों को एकजुट करने का प्रयास कर रही है ताकि एक व्यापक एकताबद्ध संघर्ष विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि व्यापक संघर्ष के जरिये ही हम अपने मांगों को हासिल करने में सफल हो सकेंगे, यह हमारा विश्वास है।

विशाल आमसभा :

CZIEA कार्यकारिणी समिति की बैठक की समाप्ति के बाद 2 जून 2014 को सायंकाल 5.15 बजे से रायपुर में मंडल कार्यालय के कैंटीन हॉल में कर्मचारियों की एक विशाल आमसभा आयोजित की गई। इस आमसभा को संबोधित करते हुये मुख्य वक्ता AIIEA के महासचिव का. व्ही. रमेश ने AIIEA सचिव मंडल बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुये कहा कि विपरीत व नकारात्मक आर्थिक परिवेश में भी राष्ट्रीयकृत जीवन व आम बीमा कंपनियों ने अतुलनीय प्रदर्शन किया है और इसलिये वे जायज रूप से उद्योग की देयक क्षमता के अनुरूप 40 प्रतिशत वेतन पुनर्निर्धारण के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि वह भी मोबिलिटी या अन्य किसी शर्त के बिना। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्ण बहुमत वाली वर्तमान सरकार अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की ही पक्षधर हैं, इसलिये राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग के लिये खतरे बढ़े हैं, जिनका हमें सम्पूर्ण आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने मेहनतकशों के सभी हिस्सों की व्यापक लामबंदी करनी होगी। उन्होंने सभी साथियों से संगठन को आगामी चुनौती का सामना करने और ताकतवर बनाने पर जोर दिया। आमसभा को संबोधित करते हुए CZIEA के महासचिव ने कार्यकारिणी समिति बैठक के निर्णयों की जानकारी दी व उसे सफल बनाने का आह्वान किया। आमसभा में भारी संख्या में बीमा कर्मचारियों के अलावा प्रथम श्रेणी अधिकारी व पेंशनर साथी भी उपस्थित थे।

RDIEU को धन्यवाद :

CZIEA कार्यकारिणी समिति ने बैठक के सफल आयोजन व विशाल आमसभा के लिये RDIEU को बधाई देते हुये उन्हें धन्यवाद दिया।

साथियों, निश्चय ही कठिन समय-कठिन संघर्षों की मांग करता है। अब तक के संघर्षमय इतिहास में AIIEA ने सदैव ही पूंजीपति-भूस्वामी हमारे हुक्मरानों से प्रत्येक अधिकार लड़कर ही हासिल किया है। बीमा कर्मी अपने सामने उपस्थित चुनौती के समक्ष कभी आत्मसमर्पण नहीं किये और आगे भी नहीं करेंगे। हमने शासक वर्ग की मेहनतकश विरोधी नीतियों के खिलाफ संग्राम के जरिये कठिन से कठिन हालातों का पहले भी डटकर मुकाबला किया है और आगे भी हम यहीं करेंगे। क्योंकि हमें मालूम है कि परिस्थितियां कभी एक जैसी नहीं रह सकती, परिस्थितियां परिवर्तनशील है। आने वाले दिनों में मेहनतकशों के समक्ष जो चुनौती आई है, उसका प्रतिकार करने हम, बीमा कर्मियों के प्रत्येक हिस्सों और मेहनतकश जनता के प्रत्येक तबके को एकजुट करते हुये संघर्षों की नई इबारत की तैयारी में जुटकर नवउदारवादी आर्थिक नीतियों के खिलाफ संग्राम को तीव्रतर करने आगे बढ़ेंगे। क्योंकि, हम यह जानते हैं कि अंतिम शब्द कभी मेहनतकश के दुश्मन नहीं मेहनतकश ही कहेंगे। इस आत्मविश्वास के साथ भावी संघर्ष को कामयाब बनाने व कार्यकारिणी समिति के निर्णय को लागू करने आप पूरी ताकत से जुटेंगे इन्हीं अपेक्षाओं के साथ।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295